1.2 (iii)

Curriculum Enrichment Practices:

1.Educational Trip: कला स्नातक में इतिहास विषय के 2 उप-विषय 'भारतीय कला- एक परिचय' और 'ऐतिहासिक पर्यटन' के पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अंग हैं जिसके अंतर्गत चम्बा, मंडी और काँगड़ा में स्थित मंदिरों की निर्माण शैली का अध्ययन किया जाये और किसी संग्रहालय का भ्रमण करके वहां संग्रहित पुरातात्विक अवशेषों और स्रोतों का अवलोकन किया जाये। इसी के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय सलूणी के इतिहास विषय के 45 छात्र शैक्षणिक भ्रमण पर दिनांक 2 मार्च से 4 मार्च 2025 को जिला कांगड़ा गए। इस दौरान वे सर्वप्रथम 2 मार्च 2025 को राजकीय महाविद्यालय सलूणी से प्रस्थान करके शाम को शक्तिपीठ ज्वालामुखी मंदिर पहुंचे। यहां इतिहास के प्रवक्ता श्री सौरभ मिश्रा ने उन्हें शक्तिपीठ का इतिहास जैसे यहां फिरोजशाह तुगलक और सिकंदर लोदी के आक्रमण और अकबर द्वारा चढ़ाये गए स्वर्ण छात्र और मंदिर के गुंबद आकार शैली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अगले दिन दिनांक 3 मार्च को सभी विद्यार्थियों ने हिमाचल के एलोरा कहे जाने वाले मसरूर रॉक कट मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद छात्रों ने अपराजेय दुर्ग माना जाने वाले कांगड़ा के प्रसिद्ध किले को देखा। वहां स्थित संसारचंद संग्रहालय में छात्रों ने पुरातात्विक अवशेषों जैसे सिक्कों, अभिलेख, चित्रकला आदि के बारे में जाना। शाम को विद्यार्थियों ने शक्तिपीठ ब्रजेश्वरी देवी के दर्शन किए। शैक्षणिक भ्रमण का अंत दिनांक 4 मार्च 2025 को हुआ।

कालेज के विद्यार्थियों ने जाना कांगड़ा किले का इतिहास

संवाद सहयोगी, जागरण • सलूणी : राजकीय महाविद्यालय सलूणी के इतिहास विषय के 45 छात्र-छात्राओं ने दो से चार मार्च तक जिला कांगड़ा का शैक्षणिक भ्रमण किया। वे सर्वप्रथम दो मार्च को राजकीय महाविद्यालय सलूणी से प्रस्थान करके शाम को शक्तिपीठ ज्वालामुखी मंदिर पहुंचे। यहां इतिहास के प्रवक्ता सौरभ मिश्रा ने उन्हें शक्तिपीठ का इतिहास बताया। उन्होंने यहां फिरोजशाह तुगलक और सिकंदर लोदी के आक्रमण और अकबर की ओर से चढ़ाए गए स्वर्ण छत्र और मंदिर के गुंबद आकार शैली के बारे में जानकारी दी।

तीन मार्च को विद्यार्थियों ने हिमाचल के अजंता कहे जाने वाले मसरूर राक कट मंदिर के दर्शन किए। सौरभ मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को बताया कि यह मंदिर द्रविड़ शैली में बना उत्तर भारत का एकमात्र मंदिर है। इसके बाद छात्रों ने कांगड़ा किले को देखा। वहां स्थित महाराजा संसार चंद संग्रहालय में छात्रों ने पुरातात्विक अवशेषों जैसे सिक्कों, अभिलेख, चित्रकला आदि के बारे में जाना।

शाम को विद्यार्थियों ने शक्तिपीठ ब्रजेश्वरी देवी के दर्शन किए। यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन प्रवक्ता डा. सौरभ मिश्रा एवं वाणिज्य के प्रवक्ता पंकज कुमार की ओर से किया गया।

राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मोहिंदर कुमार सलारिया ने यात्रा पर जाने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास एवं इतिहास और लोक संस्कृति में उनकी अभिरुचि का विस्तार करना रहा।

जिला कांगड़ा के भ्रमण के दौरान सलूणी कालेज के छात्र-छात्राएं स्टाफ के साथ • जागरण

Saurabh Mishra

Dr. Saurabh Mishra
NAAC Coordinator

14.2.26

Dr. Mohinder Kumar Slariya
Principal, GDC Salooni

2. **Showing Historical Movies to students:**राजकीय महाविद्यालय सलूणी में इतिहास विभाग के तत्वाधान में 25 सितंबर 2024 को ऐतिहासिक चलचित्र को दर्शाया गया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास के प्रवक्ता डॉ सौरभ मिश्रा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य मोहिंदर सलारिया भी उपस्थित रहे। प्राचार्य ने इस अवसर पर कहा कि उनके संज्ञान में जब आया कि इतिहास और विशेषकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बच्चों का ज्ञान अत्यल्प है तो इस विषय में उनकी अभिरुचि विकसित हो इस कारण उन्हें कुछ फ़िल्में महाविद्यालय में दिखाई जाएगी। यह एक पाठयक्रम संवर्धन कार्यक्रम है जिसके तहत उन्हें आज अजय देवगन अभिनीत चलचित्र 'द लेजेंड ऑफ भगत सिंह' तथा बेन किंग्सले अभिनीत चलचित्र 'गांधी' दिखाई गई।

सलूणी में छात्रों को दिखाई गांधी फिल्म

सलूणी। राजकीय महाविद्यालय सलूणी में इतिहास विभाग के तत्वाधान में बुधवार को ऐतिहासिक चलचित्र को दर्शाया गया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास के प्रवक्ता डा. सौरभ मिश्रा ने किया। इस मौके पर प्राचार्य डा. मोहिंद्र सलारिया ने मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थिति दर्ज करवाई। उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में जब आया कि इतिहास और विशेषकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बच्चों का ज्ञान अत्यल्प है तो इस विषय में उनकी अभिरुचि विकसित हो इस कारण उन्हें कुछ फिल्में महाविद्यालय में दिखाई जाएंगी। यह एक पाठयक्रम संवर्धन कार्यक्रम हैजिसके तहत उन्हें आज अजय देवगन अभिनीत चलचित्र द लेजेंड ऑफ भगत सिंह तथा बेन किंग्सले अभिनीत चल चित्र गांधी दिखाई गई।

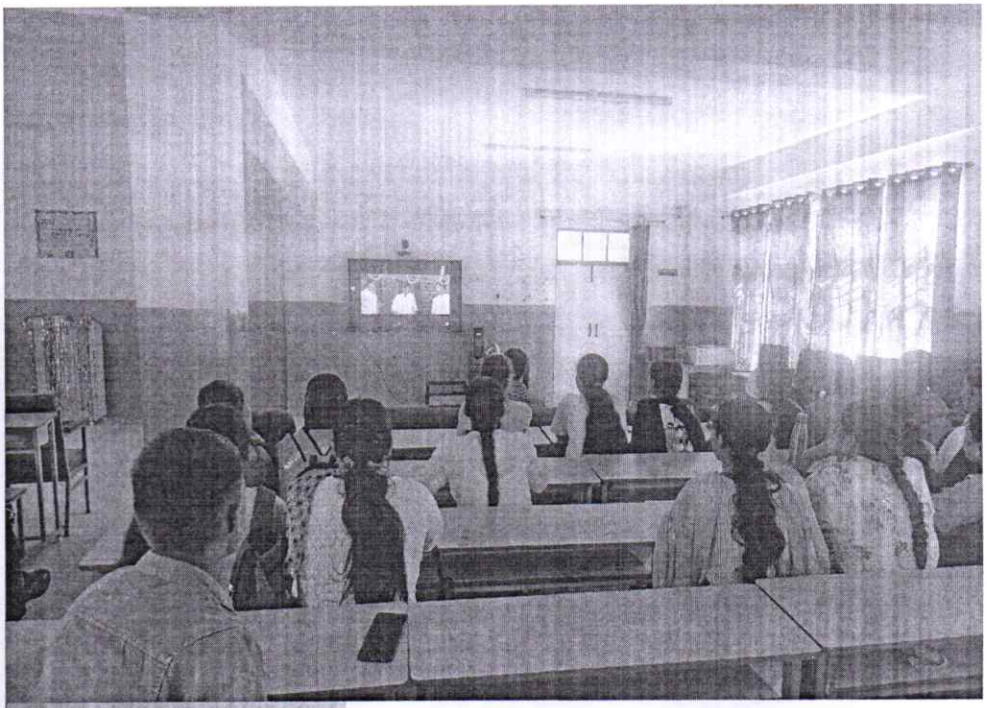

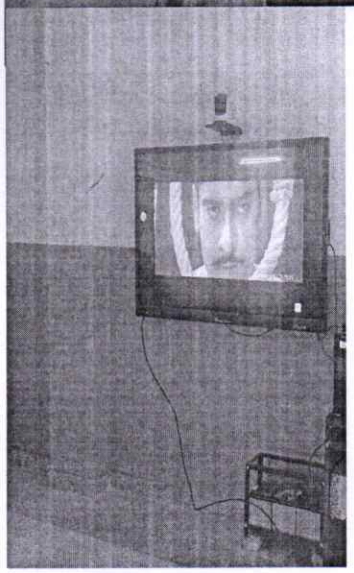

विद्यार्थियों ने देखे ऐतिहासिक चल चित्र

सलूणी (चंबा)। राजकीय महाविद्यालय सलूणी में इतिहास विभाग के तत्वावधान में ऐतिहासिक चलचित्र को दर्शाया गया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास के प्रवक्ता डॉ. सौरभ मिश्रा ने किया।

मुख्य अतिथि प्राचार्य मोहिंद्र सलारिया थे। प्राचार्य ने कहा कि उनके संज्ञान में जब आया कि इतिहास और विशेषकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बच्चों का ज्ञान अत्यल्प है तो उन्हें कुछ फिल्में महाविद्यालय में दिखाई जाएंगी। यह एक पाठ्यक्रम संवर्धन कार्यक्रम है। इसके तहत उन्हें अजय देवगन अभिनीत चलचित्र द लेजेंड ऑफ भगत सिंह और बेन किंग्सले अभिनीत चलचित्र गांधी फिल्म दिखाई गई। संवाद

Saurabh Mishra

Dr. Saurabh Mishra
NAAC Coordinator

14.2.25

Dr. Mohinder Kumar Slariya
Principal, GDC Salooni

3. Industrial Visit:

3 मार्च 2025 को वाणिज्य विभाग के छात्रों ने धर्मशाला में स्थित प्रमुख धर्मशाला चाय फैक्ट्री का औद्योगिक दौरा वाणिज्य विषय के प्राध्यापक शुभम डोगरा की देखरेख में सम्पन्न हुआ। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को चाय उत्पादन की प्रक्रिया और उद्योग में उपयोग की जाने वाली आधुनिक तकनीकों के बारे में जानकारी देना था। छात्रों ने फैक्ट्री के विभिन्न विभागों का अवलोकन किया, जहाँ उन्हें चाय पत्तियों की कटाई, प्रसंस्करण और पैकेजिंग की विधियों के बारे में बताया गया। फैक्ट्री के प्रबंधकों ने छात्रों को चाय उद्योग की महत्वपूर्ण चुनौतियों और अवसरों के बारे में भी जानकारी दी।

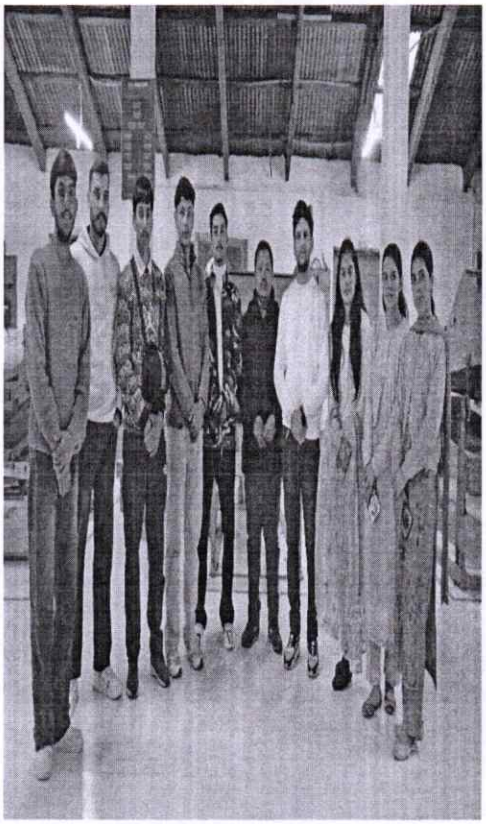

विद्यार्थियों ने चायपत्ती बनाने की विधि जानी

धर्मशाला स्थित चाय फैक्ट्री में शैक्षणिक भ्रमण के दौरान डिग्री कॉलेज सलूणी के छात्र • जागरण

संवाद सहयोगी, जागरण • सलूणी : राजकीय महाविद्यालय सलूणी के वाणिज्य विभाग के छात्रों ने धर्मशाला स्थित प्रमुख चाय फैक्ट्री का शैक्षणिक भ्रमण किया। दो दिवसीय भ्रमण के दौरान चाय बनाने की विधि का ज्ञान हासिल किया। भ्रमण के दौरान उनके साथ प्राध्यापक शुभम डोगरा भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि चाय उत्पादन की प्रक्रिया और उद्योग में उपयोग की जाने वाली आधुनिक तकनीकों से अवगत करवाने के उद्देश्य से यह दौरा करवाया गया।

छात्रों ने फैक्ट्री के विभिन्न विभागों का अवलोकन किया जिसमें चाय पत्तियों की कटाई, प्रसंस्करण और पैकेजिंग की विधियों के बारे में बताया गया। फैक्ट्री के प्रबंधकों ने छात्रों को चाय उद्योग की महत्वपूर्ण चुनौतियों और अवसरों के बारे में भी जानकारी दी। छात्रों ने चाय के महत्व और उसकी वैश्विक बाजार में स्थिति पर भी जानकारी हासिल की। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मोहिंदर कुमार सलारिया ने इस प्रकार के औद्योगिक दौरे को छात्रों के लिए अत्यधिक लाभदायक बताया और कहा कि छात्रों की यह औद्योगिक यात्रा निश्चित रूप से उनके शैक्षणिक विकास और व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगी।

Saurabh Mishra

Dr. Saurabh Mishra
NAAC Coordinator

14.2.26

Dr. Mohinder Kumar Slariya
Principal, GDC Salooni

4. Field Work Based Assignment:

इस वर्ष महाविद्यालय ने IECSME- Kamdhenu Chair के साथ मिलकर छात्रों को रिसर्च और सर्वे आधारित कार्य "Understanding Socio-Economic and Cultural Status of Salooni Tehsil" दिया गया था जिसमें छात्रों को समूहों में विभाजित गया था और प्रत्येक समूह को 100 लोगों से डाटा संग्रहित करना था। इस डाटा के आधार पर छात्रों ने कंप्यूटर पर एक रिपोर्ट बनाई जिसके आधार पर 10-12 मार्च 2025 को "Field Experience Sharing cum Annual Research Seminar" का आयोजन किया गया था।

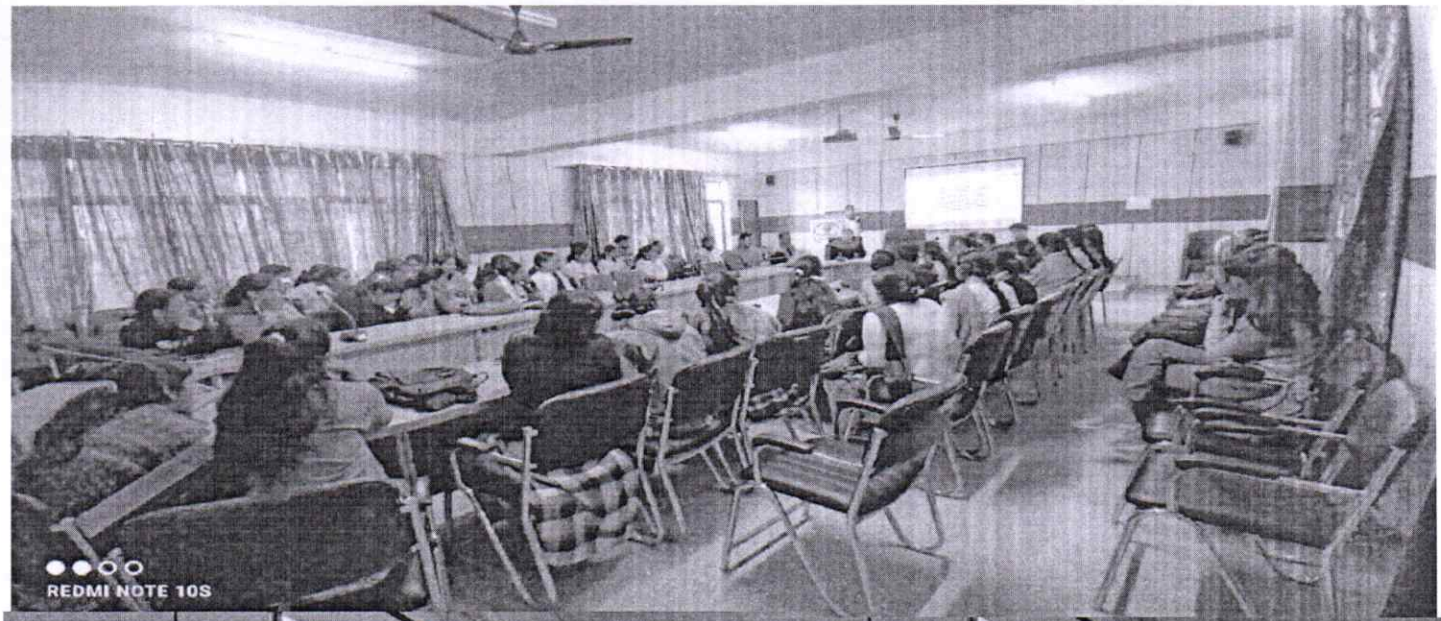

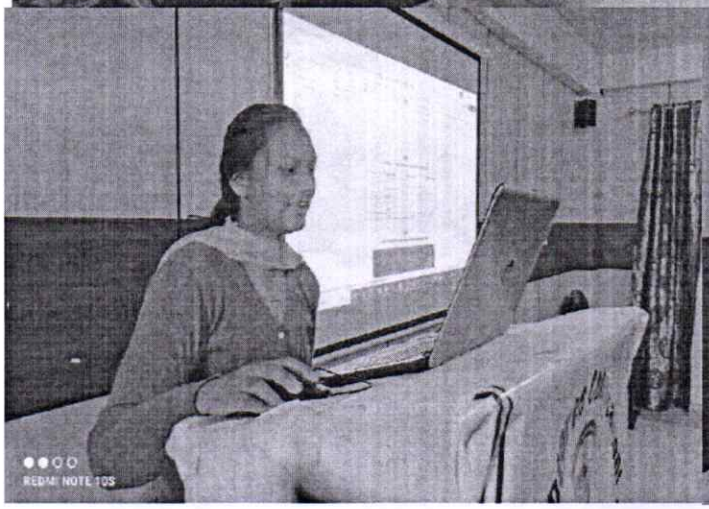

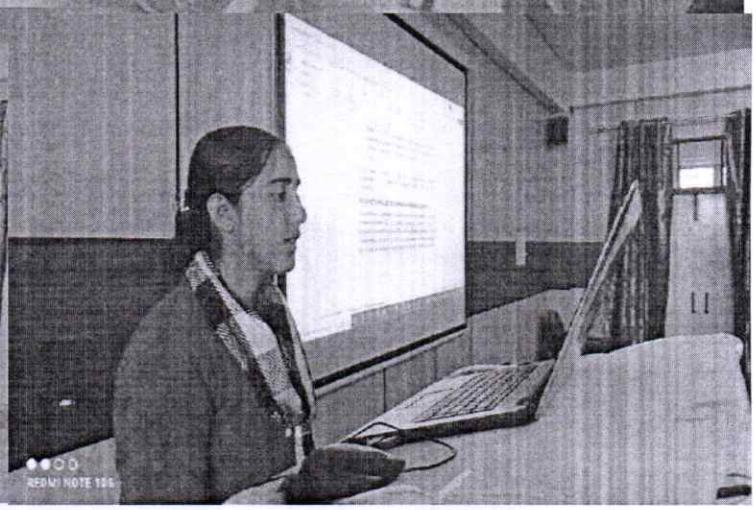

Saurabh Mishra

Dr. Saurabh Mishra
NAAC Coordinator

14.2.26

Dr. Mohinder Kumar Slariya
Principal, GDC Salooni